भारत में सामाजिक-आर्थिक विकास एवं नियोजन

Socio-economic Development and Planning in India

डॉ. अनिल कुमार सिन्हा
डॉ. अजीत कुमार यादव

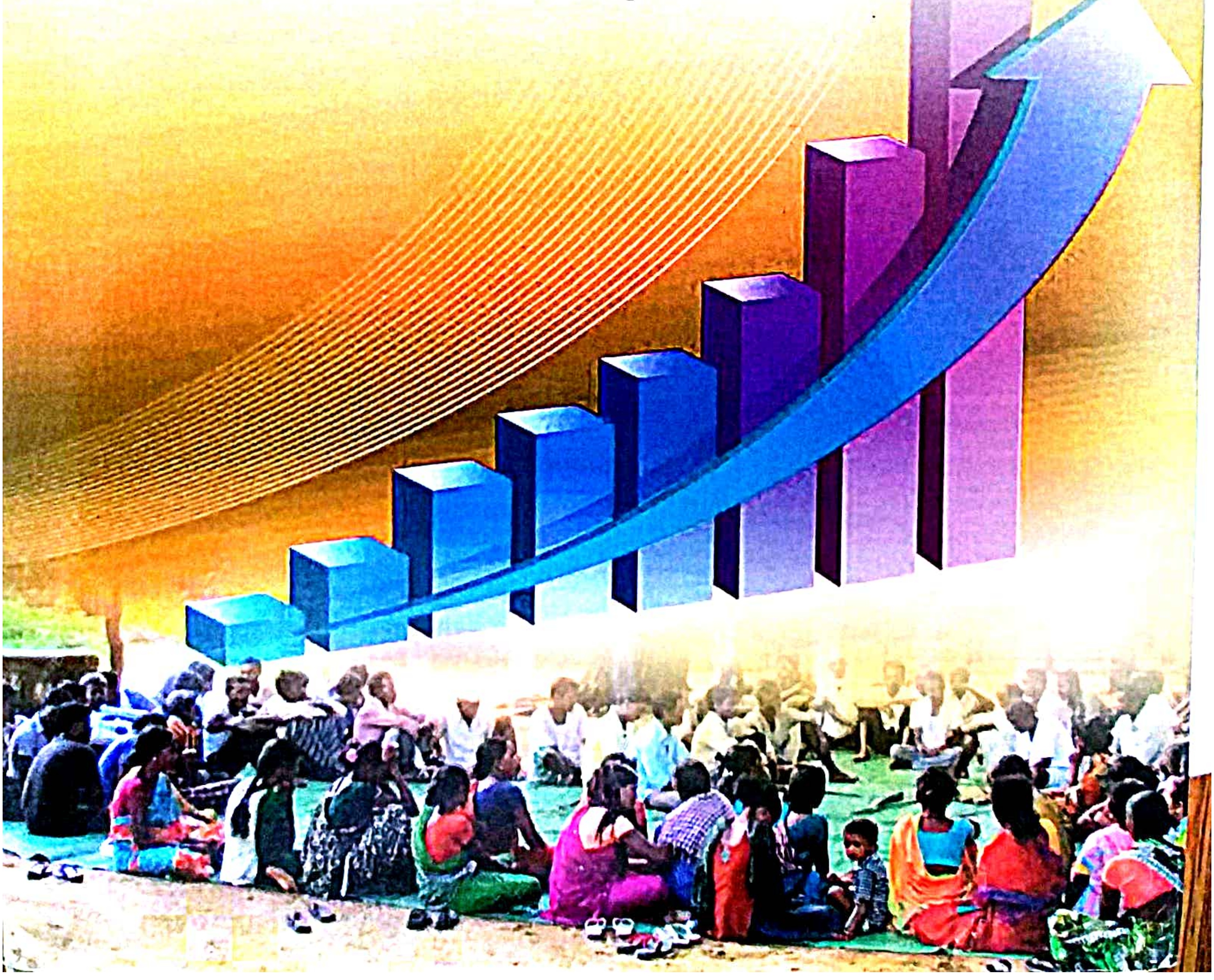

भारत में सामाजिक-आर्थिक विकास एवं नियोजन

डॉ. अनिल कुमार सिन्हा
डॉ. अजीत कुमार यादव

गंगा प्रकाशन

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशक/लेखक की लिखित अनुमति के बिना इसके किसी भी अंश की फोटोकॉपी एवं रिकार्डिंग सहित इलेक्ट्रोनिक अथवा मशीनी, किसी भी माध्यम से अथवा ज्ञान के संग्रहण एवं पुनर्प्रयोग की प्रणाली द्वारा, किसी भी रूप में पुनरुत्पादित अथवा संचारित -प्रसारित नहीं किया जा सकता।

भारत में सामाजिक-आर्थिक विकास एवं नियोजन

© लेखक

संस्करण : 2023

ISBN 978-93-5514-096-8

₹ 1000

गंगा प्रकाशन

ब्रांच ऑफिस : एल-9ए, गली नं. 42,
सादतपुर एक्सटेंशन, दिल्ली - 110094
हेड ऑफिस : मकान नं. 43, बल्दिहाँ, सैदाबाद,
प्रयागराज, उ.प्र. - 221508
मोबाइल : 8750728055, 8368613868
ई-मेल : prakashanganga@gmail.com

प्रिन्टर्स :
आर्यन ऑफसेट प्रिन्टर्स, दिल्ली

अनुक्रमणिका

प्राक्कथन *v*

1 कृषि-विकास के समसामयिक उभरते मुद्दे :
भारतीय किसान की व्यथा 1
—डॉ. श्रीकमल शर्मा

2 हरित क्रांति का सामाजिक-आर्थिक एवं पर्यावरणीय प्रभाव 42
—डॉ. अनिल कुमार सिन्हा

3 भारत में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में सूचना
प्रौद्योगिकी की भूमिका 58
—डॉ. अजीत कुमार यादव

4 सरगुजा क्षेत्र, छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास
शक्कर उद्योग के विशेष संदर्भ में 95
—डॉ. सीमा मिश्रा

5 ग्रामीण विकास: छत्तीसगढ़ राज्य के विशेष संदर्भ में 104
—मनीष कुमार यादव

6 जनजातीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम: छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में 128
—प्रेमचन्द यादव

7 सामाजिक विकास की आधारशीला साक्षरता:
छत्तीसगढ़ राज्य के विशेष संदर्भ में 153
—दीपिका स्वर्णकार, डॉ. अनिल कुमार सिन्हा

8 कार्यशील जनसंख्या का आर्थिक विकास पर प्रभाव छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिला के संदर्भ में 168
–ओमकार कुशवाहा

9 मानव जीवन की गुणवत्ता 182
–डॉ. बन्टेश कुमार मीणा

10 ग्रामीण विकास एवं नियोजन 192
–डॉ. रवि कुमार नागर

11 जल प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण 201
–अनिल कुमार व्यास

12 अध्ययन क्षेत्र का भौगोलिक व्यक्तित्व 211
–ललित मीणा, डॉ. एम.जेड. ए. खान

13 भारतीय समाज और पर्यावरण 223
–डॉ. मनीषा मिश्रा

14 बालाघाट जिले में सांस्कृतिक धरोहर एवं पर्यटन विरासत: एक भौगोलिक अध्ययन 236
–डॉ. मीनाक्षी मेरावी

15 सामाजिक विकास एवं नियोजन 245
–डॉ. बाबूलाल कुम्हारे

16 भौगोलिक पर्यटन एवं विकास 256
–डॉ. आर. बी. अग्रहरि

17 छत्तीसगढ़ में आधुनिक कृषि विकास का अध्ययन 273
––डॉ. अमरेन्द्र, निरंजन कुजूर

18 Agriculture Economics 294
– *Dr. Sandeep Kumar Pandey*

19 Socio-economic Development and Planning Experience of India and Chhattisgarh 304
– *Dr. Arun Prakash*

20 Analyzing the Disparities of Socio-economic Development at Block Level: A Case Study of Jashpur, Chhattisgarh 331
– *Dr. Sharmila Rudra, Ms. Sharmistha Rudra*

21 Socio Economic Condition and Problems of Tribal People in Raigarh District in Chhattisgarh 352
– *Dr. Kajal Moitra, Chandan Kumar Mandal*

7

सामाजिक विकास की आधारशीला साक्षरता: छत्तीसगढ़ राज्य के विशेष संदर्भ में

दीपिका स्वर्णकार
शोध छात्र एवं सहायक प्राध्यापक, भूगोल
सन्त गहिरा गुरू विश्वविद्यालय सरगुजा
अम्बिकापुर (छ.ग.)

डॉ. अनिल कुमार सिन्हा
भूगोल विभाग
राजीव गांधी शास.स्ना.महा.अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्रस्तावना

साक्षरता विकास का बेरोमीटर है। किसी भी राष्ट्र या सामाज के विकास के लिये साक्षरता एक महत्वपूर्ण सूचक है।. शिक्षा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास, समाज की चतुर्मुखी प्रगति और सभ्यता एवं संस्कृति की बहमुखी आधारशीला है। शिक्षा के माध्यम से ही मनुष्य ज्ञान प्राप्त करता है ज्ञान से पुरूषार्थ, चातुर्य को प्राप्त करता है। सृष्टि के सभी प्राणियों में मानव को शिक्षा के कारण ही सर्वश्रेष्ठ माना गया है। शिक्षा मानव जीवन के व्यक्तित्व विकास के साथ–साथ उसके शारीरिक, वौद्धिक, आध्यात्मिक, रचनात्मक एवं सृजनात्मक विकास की एक सतत् प्रक्रिया है। यह सम्पूर्ण मानव संसाधन विकास के साथ राष्ट्रीय, सामाजिक एवं आर्थिक विकास का मूल आधार है। यह मानव

के उज्जवल भविष्य एवं अभ्युत्थान का मार्ग एवं दिशा प्रशस्त करती है । शिक्षा मनुष्य को उत्कृष्ठता एवं परिपक्वता की ओर ले जाती है और उत्कृष्ठ बनाती है। शैक्षिक विकास के लिए देश, प्रदेश एवं क्षेत्रीय शिक्षानीति, प्रक्रिया एवं उसका स्वरूप जिम्मेदार मानी जा सकती है जो नवीन पीढ़ी एवं समाज को अपने दिशा निर्देशों के अनुरूप ढालती है।

सामाजिक न्याय, बहुविकास देश, प्रदेश एवं क्षेत्र विशेष की एक अनिवार्यता है। जब तक देश, प्रदेश एवं जिले का प्रत्येक क्षेत्र शहरी ग्रामीण एवं समाज का प्रत्येक वर्ग विकास और खुशहाली में समान रूप से सहभागी नहीं हो जाता तब तक विकास के सभी मापदण्ड थोथे हैं। मानव समाज में शिक्षा और शैक्षिक संस्थाएँ सदैव से पवित्र मानी गयी हैं। सामाजिक संगठनों ने समाज को उच्च स्तर तक ले जाने सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक संवृद्धि एवं नैतिक मुल्यों के निर्धारण, आदर्श नागरिक व समाज में आदर्श स्थापित करने के लिए शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की है। शिक्षा एवं शिक्षण एक सामाजिक प्रक्रिया है, जो मानव की जन्मजाति शक्तियों को चेतन्यता प्रदान करती है और विकास की राह को सरलता एवं सुलभता प्रदान करती है। शिक्षा मानव को विवेकशील, सृजनशील, वौद्धिक, बलवान, नैतिक एवं संसाधनवान बनाती है। समाज को समृद्धशाली, विकासोन्मुख एवं शिक्षित करने के लिए विद्यालयों की महती आवश्यकता है। शिक्षण संस्थाओं के अभाव में विशिष्टताओं एवं शैक्षणिक विधियों पद्धतियों में नवीनता का विकास नही हो सकता है। इसके साथ ही इनकी अनुपस्थिति में व्यय अधिक करने पर भी परिणाम तर्कसंगत नहीं प्राप्त किये जा सकते है। अतः शैक्षिक विकास की दृष्टि से शैक्षणिक संस्थाओं की उपलब्धता को विकास का सूचक माना जा सकता है।

अध्ययन का उद्देश्य

छत्तीसगढ़ राज्य में पायी जाने वाली शैक्षणिक एवं सामाजिक-आर्थिक असमानताओं तथा सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन में शैक्षणिक

सुविधाओं के प्रभाव का आंकलन करने तथा शिक्षा एवं साक्षरता को प्रभावित करने वाले कारकों की समीक्षा करना अध्ययन का उद्देश्य है।

छत्तीसगढ़ राज्य में साक्षरता

(i) **साक्षरता दर**– जनगणना 2011 के अनुसार राज्य की साक्षरता दर 71.04 प्रतिशत है। साक्षरता में राज्य का देश में 27 वाँ स्थान है। राज्य में 81.45 प्रतिशत पुरूष तथा 60.59 प्रतिशत स्त्री साक्षर हैं। राज्य में स्त्री साखरता की वृद्धि दर 8.74 प्रतिशत तथा पुषष साक्षरता की वृद्धि दर 4.07 प्रतिशत दर्ज की गई है। राज्य में महानदी की घाटी में सर्वाधिक साक्षरता के क्षेत्र स्थित हैं। सर्वाधिक साक्षर जिला दुर्ग है जहां साक्षरता 82 प्रतिशत है, दूसरा स्थान रायपुर जिले का है जहां साक्षरता 80.52 प्रतिशत है तथा तीसरा स्थान बालोद जिला का है जहां साक्षरता 80.28 प्रतिशत है। राज्य में सबसे कम साक्षरता दण्डकारण्य के सुकमा जिले का है, जहां साक्षरता 36.81 प्रतिशत है।

(ii) **छत्तीसगढ़ में साक्षरता का वितरण**– साक्षरता को प्रभावित कारने वाले कारकों के आधार पर प्रदेश के अलग–अलग भागों में साक्षरता–दर भिन्न–भिन्न हैं। औद्योगिक एवं व्यापारिक केन्द्रों तथा मिशनरियों के प्रभाव क्षेत्रों पर साक्षरता दर अधिक है। दूसरी ओर वनाच्छादित पर्वतीय एवं पठारी भू–भागों पर, दुर्गम एवं वनाच्छादित क्षेत्रों पर साक्षरता दर अति निम्न है। इस आधार पर राज्य की साक्षरतां दर को निम्नांकित भागों में विभाजित कर सकतें हैं–

1. **उच्च साक्षरता दर के क्षेत्र (> 75 प्रतिशत)**– उच्च साक्षरता दर के क्षेत्र महानदी घटी में है। प्रदेश के 5 जिलों में उच्च साक्षरता दर मिलती हैं। दुर्ग, रायपुर, बालोद, धमतरी और राजनांदगांव जिले उच्च साक्षरता दर वाले जिले हैं यहां की साक्षरता राष्ट्रीय साक्षरता से भी अधिक है। सर्वाधिक साक्षरता दर दुर्ग जिले में 82 प्रतिशत है। उच्च साक्षरता दर वाला जिला दुर्ग है जो शिवनाथ नदी घाटी में स्थित है। यह प्रदेश का बड़ा महत्वपूर्ण औद्योगिक तथा खनिज प्रधान

जिला है जिसके कारण यहां का साक्षरता दर सर्वाधिक 82.56 प्रतिशत है। यहां भिलाई स्पात सयंत्र के साथ–साथ कई छोटे–छोटे उद्योग विकसित हुये हैं।

प्रदेश का दूसरा बड़ा साक्षरता दर वाला जिला रायपुर है जो प्रदेश की राजधानी है। जहां साक्षरता दर 80.52 प्रतिश है। यहां शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, यातायात एवं व्यापार की बड़ी सुविधायें हैं। रायपुर के आस–पास छोटे–छोटे उद्योग विकसित होते जा रहे हैं। इसके आस–पास उरला और सिलतरा लघु उद्योग केन्द्र के रूप में विकसित हैं।

बालोद प्रदेश का तीसरा बड़ा साक्षर जिला है यहां की साक्षरता दर 80.28 प्रतिशत है। बालोद जिला प्रदेश के औद्योगिक केन्द्र दुर्ग जिले से अलग हुआ है। अतः दुर्ग औद्योगिकी करण का प्रभाव बालोद जिला पर भी पड़ा हुआ दिखाई देता है।

धमतरी जिले का साक्षरता दर 78.36 प्रतिशत है। धमतरी जिले का संबंध एक ओर राज्य की राजधनी रायपुर से है तो दूसरी ओर औद्योगिक केन्द्र दुर्ग से जिसके कारण यहां साक्षरता दर उच्च है। यहां सड़क और रेल यातायात की सुविधायें भी हैं। यहां महानदी केनाल द्वारा सिंचाई की प्रर्याप्त सुविधायें हैं, जिसके कारण कृषक वर्ष में तीन–तीन बार फसलें उगातें हैं। कृषकों की आर्थिक दशा अच्छी है। अतः वे अपने बच्चों को पढ़ने के लिये प्रोत्साहित करते रहते हैं। अंतिम और पाँचवा उच्च साक्षरता दर राजनांदगांव जिले में है जहां साक्षरता दर 75.96 प्रतिशत है। राजनांदगांव जिला दुर्ग जिले के प्रभाव क्षेत्र में स्थित है जिसके कारण यहां साक्षरता का प्रतिशत उच्च है यहां कई खनिजों के निक्षेप हैं तथा उद्योग भी संचालित हो रहे हैं।

प्रदेश के 09 जिलों में साक्षरता दर प्रदेश की औसत साक्षरता दर 71.04 प्रतिशत से भी अधिक है, जबकि 18 जिलों में प्रदेश की औसत से कम साक्षरता है।

2. **मध्यम साक्षरता दर के क्षेत्र (70 से 75 प्रतिशत)**– इसके अन्तर्गत प्रदेश के 09 जिले आते हैं, राज्य के बघेलखण्ड के पश्चिम भाग में स्थित कोरिया जिला उच्च साक्षरता दर वाले जिलों से जुड़ा है अधिकांश जिले समतल, मैदानी, भू–भागों (महानदी घाटी) पर स्थित है। कहीं–कहीं औद्योगिक पेटिंया हैं तो कहीं पर खनिजों का उत्खनन होता है। प्रायः सभी जिले नदी घाटियों के किनारे–किनारे स्थित है जिसके कारण फसलों का उत्पादन अधिक होता है। प्रदेश के रायगढ़, कोरबा और जांजगीर–चांपा जो केलो और हसदो की घाटी में स्थित है साक्षरता दर क्रमशः 73.26 प्रतिशत, 72.37 प्रतिशत और 73.07 प्रतिशत है।

3. **निम्न साक्षरता दर के क्षेत्र (60 से 70 प्रतिशत)**– इसके अन्तर्गत राज्य के 07 जिले आते हैं । इस क्षेत्र में सर्वाधिक साक्षरता दर बेमेतरा में 69.87 प्रतिशत है। जशपुर जिले का साक्षरता दर 67.09 प्रतिशत है इसका कारण इस क्षेत्र में रोमन केथोलिक तथा लुथरियन मिशनरियों का प्रभाव है, जिन्होंने जशपुर के उरांव तथा जनजातियों के लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया और उन्हें साक्षर बनाने में अपना योगदान प्रदान किया है। इस भाग में आने वाले अन्य जिले गरियाबंद, मुंगेली, सूरजपुर, सरगुजा तथा कर्वधा है। उपरोक्त सभी जिलों में सड़क ही यातायात का मुख्य साधन है। इस तरह दूसरे राज्यों से भी यहां के लोगों का संबंध है। प्रदेश की राजधानी से दूर स्थित होने दुर्गम पर्वतीय, पठारी तथा दुर्गम नदी घाटियों की अधिकता के कारण साक्षरता दर में कमी पाई जाती है। इस क्षेत्र में उद्योगों का अभाव है जिसके कारण बेरोजगारी की समस्या भी अधिक है।

4. **निम्नतम साक्षरता दर के क्षेत्र (60 प्रतिशत से कम)**– राज्य में सबसे कम साक्षरता दर राज्य के दक्षिणी दण्डकारण्य प्रदेश के छः जिलों तथा सूदूर उत्तर में बलरामपुर जिले में है। दुर्गम घाटियों सघन वनों से आच्छादित पर्वतीय एवं पठारी भू–भागों, यातायात के साधनों का अभाव, विकास की मुख्य धारा से विलग, दुर्गम अभ्यारण्य

में रहने वाले आदिवासियों का क्षेत्र है, जहां साक्षरता दर का प्रतिशत 60 प्रतिशत से भी कम है। दण्डकारण्य क्षेत्र के कोण्डागांव जिले में साक्षरता दर 56.21 प्रतिशत, नारायणपुर में 48.62 प्रतिशत, दंतेवाड़ा एवं बस्तर जिले में क्रमशः 48.63 एवं 53.15 प्रतिशत है। बीजापुर में साक्षरता दर 40.86 प्रतिशत है। सुकमा जिले में सबसे कम साक्षरता दर 34.81 प्रतिशत है। यह जनजातीय क्षेत्र है जहां लोग जीविकोपार्जन के लिये वनोपज पर आश्रित होते हैं। वनोपज संग्रह करने के लिये शिक्षा की आवश्यकता नहीं होती है इस कारण भी इन क्षेत्रों में शिक्षण संस्थाओं का अभाव है। पूर्वी बघेलखण्ड प्रदेश के बलरामपुर जिले में साक्षरता दर 57.98 प्रतिशत है।

(iii) **छत्तीसगढ़ में पुरूष-स्त्री साक्षरता दर**– प्रदेश में पुरूष साक्षरता दर स्त्रियों की साक्षरता दर से अधिक है। देश में औसत पुरूष साक्षरता दर 80.09 प्रतिशत है जबकि राज्य में औसत पुरूष साक्षरता दर 80.27 प्रतिशत है राज्य में अधिकतम पुरूष साक्षरता दर दुर्ग जिले में 89.88 प्रतिशत है, बालोद में 89.52 प्रतिशत, रायपुर 82.97 प्रतिशत, धमतरी 87.78 प्रतिशत तथा राजनांदगांव में 85.48 प्रतिशत है। राज्य में सबसे कम पुरूष साक्षरता दर दण्डकारण्य प्रदेश के सुकमा जिले में 44.06 प्रतिशत और बीजापुर में 50.46 प्रतिशत है।

राज्य में सर्वाधिक स्त्री साक्षरता दर दुर्ग जिले में 75.01 प्रतिशत है जबकि प्रदेश में औसत स्त्री साक्षरता दर 60.24 प्रतिशत है। छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों में उच्च साक्षरता दर रायपुर जिले में 72.79 प्रतिशत, बालोद में 71.28 प्रतिशत तथा धमतरी में 79.08 प्रतिशत है। प्रदेश में सबसे कम स्त्री साक्षरता दर सुकमा जिले में 25.74 प्रतिशत तथा बीजापुर में 31.11 प्रतिशत है। इस तरह दण्डकारण्य प्रदेश में निम्न स्त्री साक्षरता दर है।

छत्तीसगढ़ राज्य के जिलों में साक्षरता दर

(प्रतिशत में)

क्र0	कुल साक्षरता		पुरूष साक्षरता		महिला साक्षरता	
	छत्तीसगढ़	70.28	छत्तीसगढ़	80.27	छत्तीसगढ़	60.24
1	दुर्ग	82.56	दुर्ग	89.88	दुर्ग	75.01
2	रायपुर	80.52	बालोद	89.52	रायपुर	72.79
3	बालोद	80.28	रायपुर	82.97	बालोद	71.28
4	धमतरी	78.36	धमतरी	87.78	धमतरी	69.08
5	राजनांदगांव	75.96	राजनांदगांव	85.48	राजनांदगांव	66.70
6	रायगढ़	73.26	जांजगीर–चांपा	84.72	रायगढ़	63.02
7	जांजगीर–चांपा	73.07	रायगढ़	83.49	बिलासपुर	62.40
8	बिलासपुर	72.37	बिलासपुर	83.04	कोरबा	61.93
9	कोरबा	72.37	बालौदाबाजार	82.79	जांजगीर–चांपा	61.31
10	महासमुंद	71.02	कोरबा	82.48	कांकेर	60.64
11	कोरिया	70.64	महासमुंद	82.05	कोरिया	60.60
12	बलौदांबाजार	70.63	बेमेतरा	81.26	महासमुंद	60.25

क्रं0	कुल साक्षरता		पुरूष साक्षरता		महिला साक्षरता	
13	कांकेर	70.29	गरियाबंद	80.38	जशपुर	58.61
14	बेमेतरा	69.87	कोरिया	80.37	बलौदाबाजार	58.57
15	गरियाबंद	68.26	कांकेर	80.03	बेमेतरा	58.55
16	जशपुर	67.92	जशपुर	77.32	गरियाबंद	56.45
17	मुंगेली	64.75	मुंगेली	77.20	मुंगेली	51.97
18	सूरजपुर	60.95	कवर्धा	72.98	सरगुजा	51.92
19	सरगुजा	60.86	सूरजपुर	70.99	सूरजपुर	50.76
20	कवर्धा	60.85	सरगुजा	69.65	कवर्धा	48.71
21	बलरामपुर	57.98	बलरामपुर	67.78	बलरामपुर	47.93
22	कोण्डागांव	56.21	कोण्डागांव	67.45	कोण्डागांव	45.37
23	बस्तर	53.15	बस्तर	63.02	बस्तर	43.49
24	दंतेवाड़ा	48.63	दंतेवाड़ा	58.95	नारायणपुर	39.88
25	नारायणपुर	48.62	नारायणपुर	57.31	दंतेवाड़ा	38.58
26	बीजापुर	40.86	बीजापुर	50.46	बीजापुर	31.11
27	सुकमा	34.81	सुकमा	44.06	सुकमा	25.74

स्रोत–भारत की जनगणना 2011, जनसंख्या के अन्तिम आंकड़े 2011 का पेपर–2, खण्ड – 2, ग्रामीण नगरीय वितरण छत्तीसगढ़ श्रृंखला 23

छत्तीसगढ़ राज्य साक्षरता दर में वृद्धि की प्रवृत्ति (1951-2011)
(प्रतिशत में)

सन्	कुल साक्षरता दर	पुरूष साक्षरता दर	स्त्री साक्षरता दर
1951	9.41	16.25	2.66
1961	15.35	25.57	5.22
1971	20.29	31.31	9.25
1981	26.62	38.82	14.38
1991	42.91	58.07	27.52
2001	64.66	77.38	51.85
2011	71.04	81.45	60.59

स्रोत– भारत की जनगणना 2011, जनसंख्या के अनन्तिम आंकड़े 2011 का पेपर। छत्तीसगढ़ श्रृंखला 23।

(IV) **ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या की साक्षरता–** जनगणना 2011 के अनुसार भारत की औसत साक्षरता दर 74.04 प्रतिशत है। जिसमें ग्रामीण साक्षरता दर 68.91 प्रतिशत और नगरीय साक्षरता दर 84.98 प्रतिशत है। छत्तीसगढ़ में 2011 की जनगणना के अनुसार साक्षरता दर 71.04 प्रतिशत है। जिसमें ग्रामीण साक्षरता दर 66.76 प्रतिशत और नगरीय साक्षरता दर 84.79 प्रतिशत है। देश और प्रदेश की कुल नगरीय औसत साक्षरता दर लगभग समान है। राज्य में 2011 की जनगणना के अनुसार पुरूष साक्षरता दर 78.20 प्रतिशत है, भारत और छत्तीसगढ़ की ग्रामीण पुरूष साक्षरता भी लगभग एक ही हैं और नगरीय पुरूष साक्षरता दर 91.63 प्रतिशत है। देश की तुलना में प्रदेश की नगरीय पुरूष साक्षरता दर अधिक है। राज्य की औसत महिला साक्षरता दर 60.59 प्रतिशत है जिसमें ग्रामीण महिला साक्षरता दर 55.40 प्रतिशत है और नगरीय महिला साक्षरता दर 77.65 प्रतिशत है। देश में ग्रामीण महिला साक्षरता दर 58.74 प्रतिशत तथा नगरीय महिला साक्षरता दर 79.92 प्रतिशत है।

राज्य के जिलों में ग्रामीण—नगरीय साक्षरता—ग्रामीण साक्षरता दर सबसे अधिक महानदी घाटी के क्षेत्रों में बालोद जिले में 80.05 प्रतिशत तथा धमतरी जिले में 77.57 प्रतिशत है। ग्रामीण उच्च साक्षरता वाले अन्य जिले दुर्ग जिले में 76.38 प्रतिशत, राजनांदगांव जिले में 74.85 प्रतिशत और रायपुर जिले में 74.89 प्रतिशत है। दण्डकारण्य प्रदेश में सबसे कम साक्षरता वाले जिलों में सुकमा 31.35 प्रतिशत, बीजापुर में 37.07 प्रतिशत, दंतेवाड़ा में 37.85 प्रतिशत, नारायणपुर में 42.75 प्रतिशत तथा सरगुजा में 40.11 प्रतिशत है।

सर्वाधिक ग्रामीण पुरूष साक्षरता भी बालोद जिले में 90.03 प्रतिशत, धमतरी जिले में 85.26 प्रतिशत तथा जांजगीर चांपा जिले में 84.62 प्रतिशत है। सबसे कम ग्रामीण पुरूष साक्षरता दर (दक्षिण बस्तर) दंतेवाड़ा जिले में 48.39 प्रतिशत, बीजापुर जिले में 46.87 प्रतिशत और नारायणपुर जिले में 52.02 प्रतिशत है।

राज्य में सर्वाधिक ग्रामीण महिला साक्षरता दर बालोद जिले में 70.41 प्रतिशत, धमतरी जिले में 67.32 प्रतिशत, दुर्ग जिले में 66.18 प्रतिशत, राजनांदगांव जिले में 64.19 प्रतिशत तथा रायपुर जिले में 64.41 प्रतिशत है सबसे कम ग्रामीण महिला साक्षरता दर सुकमा जिले में 22.24 प्रतिशत, दंतेवाड़ा जिले में 27.91 प्रतिशत बीजापुर जिले में 27.18 प्रतिशत और नारायणपुर जिले में 33.61 प्रतिशत है।

राज्य में सर्वाधिक नगरीय साक्षरता दर उत्तर बस्तर के कांकेर जिले में 87.47 प्रतिशत, राजनांदगांव जिले में 86.53 प्रतिशत, बालोद जिले में 85.96 प्रतिशत और रायगढ़ जिले में 85.67 प्रतिशत है। सर्वाधिक नगरीय पुरूष साक्षरता दर बालोद जिले में 93.74 प्रतिशत उत्तर बस्तर के कांकेर जिले में 93.47 प्रतिशत, राजनांदगांव जिले में 93.33 प्रतिशत, धमतरी जिले में 92.26 प्रतिशत और रायगढ़ जिले में 92.52 प्रतिशत है। सबसे कम नगरीय पुरूष साक्षरता दर दण्डकारण्य के बस्तर जिले में 82.92 प्रतिशत, बीजापुर जिले में 84.25 प्रतिशत और सुकमा जिले में 84.11 प्रतिशत है।

सर्वाधिक नगरीय महिला साक्षरता दर दण्डकारण्य के उत्तर बस्तर के कांकेर जिले में 81.57 प्रतिशत, महानदी घाटी के राजनांदगांव जिले में 79.76 प्रतिशत, बालोद जिले में 78.33 प्रतिशत, रायगढ़ जिले में 78.49 और जशपुर जिले में 78.30 प्रतिशत है।

सबसे कम नगरीय महिला साक्षरता दण्डकारण्य प्रदेश के बीजापुर जिले में 65.06 प्रतिशत है। उसके बाद सुकमा जिले में 66.01 प्रतिशत और बस्तर जिले में 67.45 प्रतिशत है।

छत्तीसगढ़ राज्य में साक्षरता को प्रभावित करने वाले कारक

छत्तीसगढ़ राज्य साक्षरता की दृष्टि से भारत के पिछड़े राज्यों में सम्मिलित है। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार भारत के प्रमुख राज्यों (केन्द्र शासित प्रदेशों को छोड़कर) में राज्य का साक्षरता दर की रेंकिंग में बीसवां स्थान है। राज्य की साक्षरता दरों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण उत्तरदायी कारक निम्नलिखित है–

1. **अर्थव्यवस्था:** अर्थव्यवस्था तथा साक्षरता दरों में धनात्मक सह सम्बन्ध होता है। कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था तथा उद्योग प्रधान अर्थव्यवस्था रखने वाली जनसंख्या में साक्षरता दरों में पर्याप्त भिन्नताएँ देखने को मिलती हैं। उद्योग प्रधान अर्थव्यवस्था में सुचारू रूप से कार्य संचालन के लिए शिक्षा अथवा साक्षरता आवश्यक है जबकि कृषि एवं पशुपालन के लिए शिक्षा या साक्षरता की प्रायः आवश्यकता नहीं होती है। इसी कारण औद्योगिक अर्थव्यवस्था वाले दुर्ग रायपुर, राजनांदगांव तथा धमतरी जिलों में साक्षरता दर लगभग 70 प्रतिशत या इससे अधिक रही है। दूसरी ओर औद्योगिक दृष्टि से पिछड़े जिला दंतेवाड़ा, बस्तर एवं सरगुजा में राज्य की निम्नतम साक्षरता दरें पाई जाती है।

2. **नगरीकरण:** नगरीकरण स्तर तथा साक्षरता दरों में धनात्मक सहसंबंध होता है क्योंकि नगरीय क्षेत्रों में शिक्षा के लिये शिक्षण

साधनों की सुगम उपलब्धता तथा शिक्षा के प्रति जागरूकता पाई जाती है। छत्तीसगढ़ राज्य में उच्च नगरीकरण वाले जिले दुर्ग, रायपुर, कोरबा एवं बिलासपुर है जहाँ साक्षरता दरें क्रमशः 82.56 प्रतिशत, 80.52 प्रतिशत, 72.37 प्रतिशत एवं प्रतिशत 72.37 प्रतिशत है। जबकि छत्तीसगढ़ राज्य के निम्न नगरीकरण वाले जिले नारायपुर, सुकमा, बीजापुर, बलरामपुर, गरियाबंद, जशपुर तथा सूरजपुर हैं जिनकी साक्षरता दर क्रमशः 48.62 प्रतिशत, 34.81 प्रतिशत, 40.86 प्रतिशत, 68.26 प्रतिशत, 67.92 प्रतिशत तथा 60.95 प्रतिशत है।

3. **जातिगत संरचनाः** साक्षरता को प्रभावित करने वाले कारको में जनसंख्या की जातिगत संरचना का महत्वपूर्ण स्थान होता है। छत्तीसगढ़ राज्य में सन् 2011 में अनुसूचित जाति की औसत साक्षरता 70.76 प्रतिशत रही तथा अनुसूचित जनजाति की औसत साक्षरता 59.09 प्रतिशत रही है। राज्य की कुल जनसंख्या में अधिकतम अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या रखने वाले जिलों में जशुपर, बस्तर, सुकमा (34.81), बीजापुर (40.86) तथा नारायणपुर (48.62) सम्मिलित है।

4. **प्रशासनिक नीतियाँः** प्रशासन द्वारा शिक्षा के प्रचार–प्रसार के लिये चलाई गई सरकारी नीतियाँ साक्षरता दर को प्रभावित करती रही हैं। छत्तीसगढ़ राज्य में राज्य सरकार ने ''शिक्षा गारंटी योजना'' लागू की तथा प्राथमिक शिक्षा के लोकव्यापीकरण का उत्तरदायित्व पूर्व में ''राजीव गांधी राज्य शिक्षा मिशन'' को सौंपा गया जिसमें 06 से 14 वर्ष तक के बच्चों को शिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया। प्राथमिक शिक्षा प्रोत्साहन हेतु 01 जुलाई 2001 को ''पढ़बो पढ़ाबो स्कूल जाबो'' योजना लागू की गई जिसका उद्देश्य भी 06 से 14 वर्ष तक के बच्चों को स्कूल भेजना था। इस योजना की सफलता के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़े वर्ग के छात्र–छात्राओं को

निःशुल्क पुस्तक एवं गणवेश प्रदान किये गये। राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में भी ऐसे प्रयास जारी है जिसमें अधिकतम प्रति 5 कि0मी0 की दूरी पर प्राथमिक विद्यालय हो इन्ही नीतियों एवं प्रयासों का परिणाम है जो कि सन् 1991 में राज्य की साक्षरता दर 42.19 प्रतिशत थी जो सन् 2011 में तेजी से बढ़कर 70.04 प्रतिशत हो गई।

5. **शिक्षण सुविधाओं की उपलब्धता:** सन् 2001 में छत्तीसगढ़ राज्य में सरकार द्वारा संचालित कुल प्राथमिक विद्यालय 22872, उच्च प्राथमिक विद्यालय 4939 के साथ राज्य में कुल शिक्षण संस्थाओं की संख्या 31412 रही। 2020–21 में प्राथमिक शाला 32715, माध्यमिक शाला 16343, हाई स्कूल 2726, हायर सेकेण्डरी 4469 के साथ कुल शिक्षण संस्थाओं की संख्या बढ़कर 56309 हो गई। शिक्षण संस्थाओं की यह वृद्धि साक्षरता में वृद्धि दर को दर्शाती है।

6. **यातायात के साधन:** यातायात के साधनों की सुगम उपलब्धता तथा साक्षरता दर में धनात्मक सहसंबंध होता है। यातायात के साधन दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से शिक्षा प्राप्त करने के लिए नगरीय क्षेत्रों में आने–जाने की सुगमता प्रदान करते हैं। सड़क यातायात की उचित व्यवस्था रखने वाले जनपदों में दुर्ग, रायपुर, राजनांदगांव सम्मिलित रहे जहाँ साक्षरता दर क्रमशः 82.56 प्रतिशत, 80.52 प्रतिशत एवं 75.96 प्रतिशत रही। जबकि निम्न स्तरीय सड़क यातायात की सुविधा रखने वाले जिला कर्वधा, दंतेवाड़ा एवं बस्तर में साक्षरता दरें क्रमशः 60.85 प्रतिशत, 48.63 प्रतिशत एवं 53.15 प्रतिशत रही। रेल यातायात की प्रमुख सुविधा रखने वाले जिलों में राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, महासमुन्द, बिलासपुर, जांजगीर–चांपा तथा रायगढ़ जिला सम्मिलित रहे जहाँ अपेक्षाकृत कम अथवा नगण्य रेल यातायात सुविधा वहां की साक्षरता दरें अपेक्षाकृत कम ही रही है।

उक्त विश्लेषणों से यह स्पष्ट होता है कि 22 वर्ष पूर्व गठित छत्तीसगढ़ राज्य में शिक्षा सुविधाओं की स्थापना तीव्र गति से हुई है। इसके बावजूद भी साक्षरता दरों में आशानुरूप प्रगति नहीं हो सकी है। अतः शिक्षा सुविधाओं की बढ़ोतरी, शिक्षकों की पदस्थापना, शिक्षा में नवाचार का अनुप्रयोग से छत्तीसगढ़ में शिक्षा क्रांति की अलख जगने की उम्मीद है। इसके लिए नियोजित उपाय की आवश्यकता है।

संदर्भ सूची

चांदना, आर.सी (1994) जनसंख्या भूगोल, कल्याणी पब्लियर्स, लुधियाना, पृष्ठ 233–252

कुमार, यशवन्त (2019) छत्तीसगढ़ राज्य का जनसंख्या भूगोल, राजेश पब्लिकेशन, नई दिल्ली पृष्ठ 121–170

मौर्य, एस.डी (2019) जनसंख्या भूगोल, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद पृष्ठ 325–341

पल्लवी (2017) इटावा जिले के सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन में शैक्षणिक सुविधाओं की भूमिका (1981–2011 तक) पी–एच.डी शोध प्रबंध, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, पृष्ठ 01–34

शिवहरे, जे.पी एवं कावेरी दाभड़कर (2008) छत्तीसगढ़ की महिला साऊरता में परिवर्तन एवं वर्तमान संदर्भ का भौगोलिक मूल्यांकन, उत्तरप्रदेश ज्योग्राफिकल जर्नल, अंक–13, पृष्ठ 75–84

तिवारी, विजय कुमार एवं शशांक शेखर सिंह (2015) बहराईच जनपद में साक्षरता प्रतिरूप, जर्नल आफ सोशल साइंस रिसर्च परसपेक्टिव, अंक–03, भाग–01 जून,. पृष्ठ 99–103

वर्मा, एल.एन (2017) छत्तीसगढ़ का भूगोल, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार, पृष्ठ 114–161

वर्मा, एल.एन (2000) छत्तीसगढ़ भौगोलिक अध्ययन, छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रन्थ अकादमी ।

भारत की जनगणना 2011, जनसंख्या के अन्तिम आंकड़े 2011 का पेपर–2, खण्ड–2, ग्रामीण नगरीय वितरण छत्तीसगढ़ श्रृंखला 23

छत्तीसगढ़ सारगर्भित भाग–1, काम्पिटिशल कम्युनिटी

समग्र छत्तीसगढ़ , छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रन्थ अकादमी संस्करण 2017

छत्तीसगढ़ विशिष्ट अध्ययन Volume–01 (हरिराम पटेल) सातवा ISBN-978-93-5680-402-9 संस्करण 2022

Economic Survey 2022-23 statistical appendix Office of the Registrar General of India, Ministry of Home Affairs.